IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उच्च एवं निम्न आर्थिक स्थिति के किशोर एवं सामाजिक परिपक्वता

डॉ. बलिदान जैन

सह-आचार्य, शिक्षा संकाय

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय), उदयपुर (राज.)

Abstract 3: A Study of Social Maturity among Adolescents of High and Low Socio-Economic Status

(Based on Manohar Article-I – Social Maturity, 30.08.2025)

This research examines the social maturity of adolescents belonging to high and low socio-economic status (SES) groups. Adolescence is a transitional stage characterized by significant physical, emotional, and cognitive changes, and social maturity—reflecting self-direction, responsibility, cooperation, tolerance, and adaptability—plays a crucial role in shaping personality and future societal contributions. Since socio-economic conditions determine access to resources, opportunities, and experiences, this study investigates how SES influences adolescents' social maturity.

The research involved **600 adolescents** from 12 secondary schools in Udaipur district, selected through lottery and purposive sampling. The participants were equally divided into high-SES (parents' annual income above ₹50,000) and low-SES (income below ₹20,000) groups. Data were collected using the **Nalini Rao Social Maturity Scale**, covering dimensions such as work orientation, self-direction, stress tolerance, communication, enlightened trust, cooperation, social commitment, social tolerance, and acceptance of change. Income certificates were used to classify SES. Statistical analyses included mean, standard deviation, *t*-test, and Z-scores.

Findings indicated that **high-SES students** scored average in most dimensions, showed above-average performance in communication and cooperation, but recorded the lowest level in social tolerance. In contrast, **low-SES students** performed average in several domains, scored above average in cooperation and social commitment, and displayed high levels of social tolerance, though their stress tolerance was at the lowest level. Comparative analysis revealed **no significant differences in work orientation, self-direction, cooperation, social commitment, and acceptance of change**, suggesting parity across SES groups. However, **significant differences emerged in stress tolerance, communication, enlightened**

trust, and social tolerance, with high-SES students excelling in communication, while low-SES students demonstrated stronger tolerance and trust.

The study concludes that socio-economic status does affect certain dimensions of social maturity but not all. While both groups exhibit similar levels of responsibility and commitment, differences emerge in emotional resilience and interpersonal trust. Educationally, the findings highlight the need for targeted interventions—enhancing stress management skills among low-SES students while fostering tolerance and trust among high-SES students. The study emphasizes that balanced social maturity is essential for adolescent adjustment and long-term social contribution, making it crucial for educators, parents, and policymakers to design programs that address socio-economic disparities in adolescent development.

प्रस्तावना :-

किशोरावस्था व्यक्ति के जीवन की अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील अवस्था होती है, जो बाल्यावस्था से प्रौढ़ावस्था की ओर संक्रमण की प्रक्रिया का प्रतिनिधित्व करती है। यह काल न केवल शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक परिवर्तनों से परिपूर्ण होता है, बल्कि व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य के निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस दौरान अर्जित स्थिरता में अस्थिरता का प्रवेश होता है, जिससे किशोरों में नए-नए विचार, आशंकाएँ, और जिज्ञासाएँ उत्पन्न होती हैं। किशोरों की सामाजिक परिपक्वता, उनकी आत्मनिर्भरता और समाज के प्रति उनके योगदान की भावना का प्रतीक होती है। यह परिपक्वता उनके व्यक्तित्व का आधार बनती है, जो आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक कारकों से प्रभावित होती है। आर्थिक स्थिति व्यक्ति के संसाधनों और अवसरों का निर्धारण करती है और इसका प्रभाव किशोरों की सामाजिक परिपक्वता पर गहराई से पड़ता है।

इस शोध में उच्च एवं निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता का अध्ययन किया गया है, इस अध्ययन ने यह समझने का प्रयास किया कि आर्थिक स्थिति किस हद तक किशोरों की सामाजिक परिपक्वता और आत्म प्रेरणा को प्रभावित करती है। क्या उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी समाज में अधिक प्रभावी भूमिका निभाने की ओर अग्रसर होते हैं, क्या निम्न आर्थिक स्थिति के किशोर विद्यार्थी भी समान सामाजिक परिपक्वता प्राप्त कर सकते हैं, इसी आधार पर शोधार्थी द्वारा उक्त शीर्षक पर अनुसंधान किया गया है।

उद्देश्य :-

1. उच्च एवं निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों का पता लगाना।
2. उच्च आर्थिक स्थिति के किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता का अध्ययन करना।
3. निम्न आर्थिक स्थिति के किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता का अध्ययन करना।
4. उच्च एवं निम्न आर्थिक स्थिति के किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

प्राकल्पनाएँ :-

1. उच्च एवं निम्न आर्थिक स्थिति के किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

विधिशास्त्र :-

प्रस्तुत शोध के लिए शोधार्थी ने उदयपुर जिले के माध्यमिक स्तर के 12 विद्यालयों का चयन लॉटरी विधि के माध्यम से किया। इन विद्यालयों में से प्रत्येक से 50 विद्यार्थियों को उद्देश्यपूर्ण विधि द्वारा चुना गया, जिसके परिणामस्वरूप कुल 600 विद्यार्थियों का चयन किया गया। इन 600 विद्यार्थियों में से 300 विद्यार्थियों को उच्च आर्थिक स्थिति और 300 विद्यार्थियों को निम्न आर्थिक स्थिति के आधार पर वर्गीकृत किया गया। चूंकि समस्या का संबंध वर्तमान स्थिति से है, इसलिए शोध की प्रकृति के अनुरूप सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया। इस शोध में किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता को मापने के लिए डॉ. नलिनी राव द्वारा निर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया, जबकि उनकी आर्थिक स्थिति को जानने के लिए आय प्रमाण पत्र का उपयोग किया गया। दत्तों के विश्लेषण हेतु जेड प्राप्तांक, मध्यमान, मानक विचलन और टी परीक्षण जैसे सांख्यिकीय उपकरणों का प्रयोग किया गया।

विश्लेषण एवं व्याख्या :-

सारणी संख्या 1

उच्च एवं निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों का अभिभावकों के आय प्रमाण पत्र के आधार पर विश्लेषण

क्र.सं.	आर्थिक स्थिति	विद्यार्थियों की संख्या	मासिक आय
1.	उच्च	300	50000 से अधिक
2	सामान्य	100	25000 से 30000 तक
3.	निम्न	300	20000 से कम

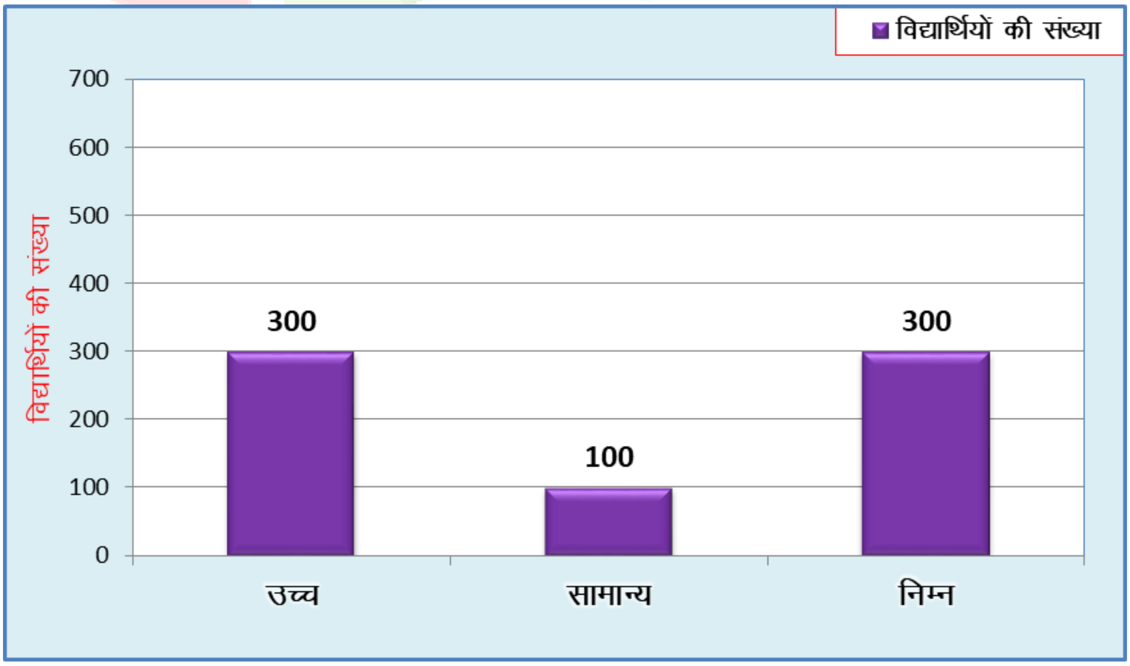

व्याख्या :- किशोर विद्यार्थियों के आय प्रमाण पत्र के आधार पर यह पाया कि 300 किशोर विद्यार्थी ऐसे पाये गये जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय 50000 से अधिक है उनको उच्च आर्थिक स्थिति की श्रेणी में, 300 किशोर विद्यार्थी ऐसे पाये गये जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय 20000 से कम है उनको निम्न आर्थिक स्थिति की श्रेणी में तथा 100 किशोर विद्यार्थी ऐसे पाये गए जिनके अभिभावकों की आय 25000 से 30000 तक है, उनको सामान्य आर्थिक स्थिति की श्रेणी में रखा गया।

सारणी संख्या - 2

उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता का जेड़ प्राप्तांक के आधार पर क्षेत्रवार विश्लेषण

क्र. सं.	सामाजिक परिपक्वता मापनी के आयाम	जेड प्राप्तांक	सामाजिक परिपक्वता का स्तर
1.	कार्य अभिविन्यास	0.47	औसत
2.	स्व-निर्देशन	0.29	औसत
3.	तनाव लेने की क्षमता	0.18	औसत
4.	सम्प्रेषण	1.23	औसत से अधिक
5.	प्रबुद्ध-विश्वास	0.35	औसत
6़.	सहयोग	1.18	औसत से अधिक
7.	सामाजिक वचनबद्धता	0.29	औसत
8.	सामाजिक सहिष्णुता	-2.09	निम्नतम
9.	परिवर्तन को स्वीकारना	0.21	औसत

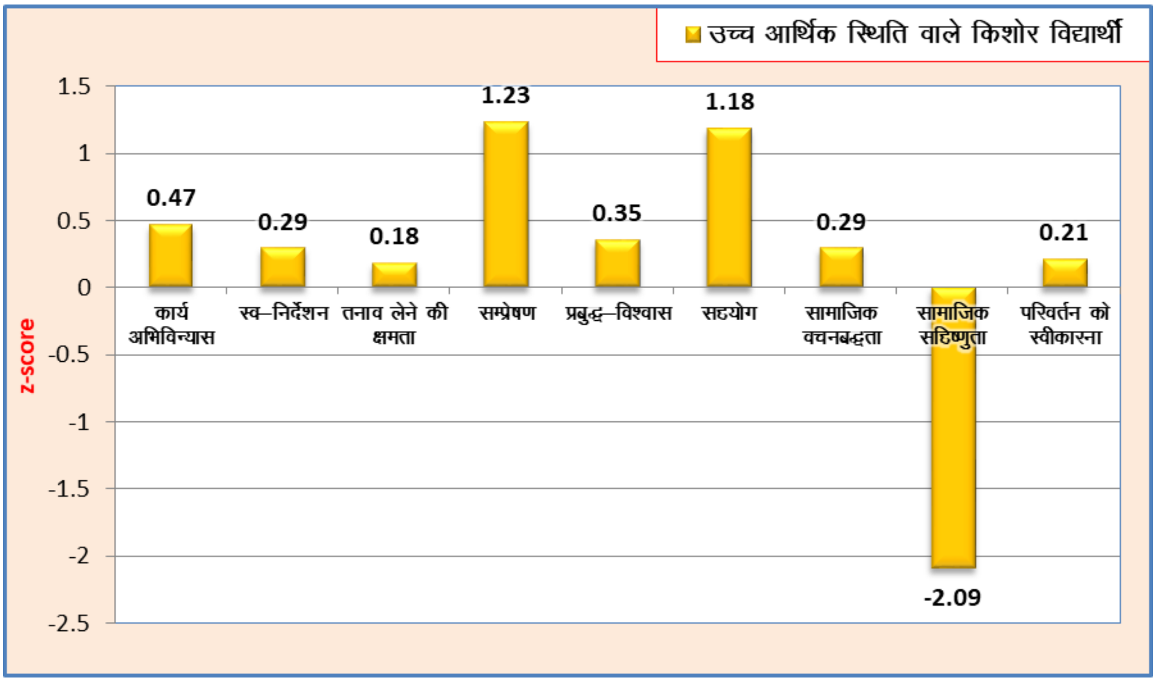

विश्लेषण एवं व्याख्या :- सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न क्षेत्रों का विश्लेषण उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों की राय के आधार पर प्राप्त जेड प्राप्तांकों के माध्यम से किया गया। कार्य अभिविन्यास क्षेत्र में जेड प्राप्तांक 0.47, स्व-निर्देशन में 0.29, तनाव लेने की क्षमता में 0.18, सम्प्रेषण में 1.23, प्रबुद्ध-विश्वास में 0.35, सहयोग में 1.18, सामाजिक वचनबद्धता में 0.29, सामाजिक सहिष्णुता में -2.09, और परिवर्तन को स्वीकारने में 0.21 प्राप्त हुआ। इन परिणामों से स्पष्ट होता है कि कार्य अभिविन्यास, स्व-निर्देशन, तनाव लेने की क्षमता, प्रबुद्ध-विश्वास, सामाजिक वचनबद्धता, और परिवर्तन को स्वीकारने जैसे क्षेत्रों में विद्यार्थी औसत स्तर पर थे। सम्प्रेषण और सहयोग जैसे क्षेत्रों में उनका प्रदर्शन औसत से अधिक स्तर का रहा, जबकि सामाजिक सहिष्णुता के क्षेत्र में उनका प्रदर्शन निम्नतम स्तर पर पाया गया। इन परिणामों से उच्च आर्थिक स्थिति वाले विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता के विविध पहलुओं की व्यापक तस्वीर सामने आती है।

सारणी संख्या - 3

निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता का जेड़ प्राप्तांक के आधार पर क्षेत्रवार विश्लेषण

क्र. सं.	सामाजिक परिपक्वता मापनी के आयाम	जेड प्राप्तांक	सामाजिक परिपक्वता का स्तर
1.	कार्य अभिविन्यास	0.39	औसत
2.	स्व-निर्देशन	0.21	औसत
3.	तनाव लेने की क्षमता	-2.10	निम्नतम
4.	सम्प्रेषण	0.24	औसत
5.	प्रबुद्ध-विश्वास	0.32	औसत

6ः.	सहयोग	1.14	औसत से अधिक
7.	सामाजिक वचनबद्धता	1.25	औसत से अधिक
8.	सामाजिक सहिष्णुता	1.29	उच्च
9.	परिवर्तन को स्वीकारना	0.16	औसत

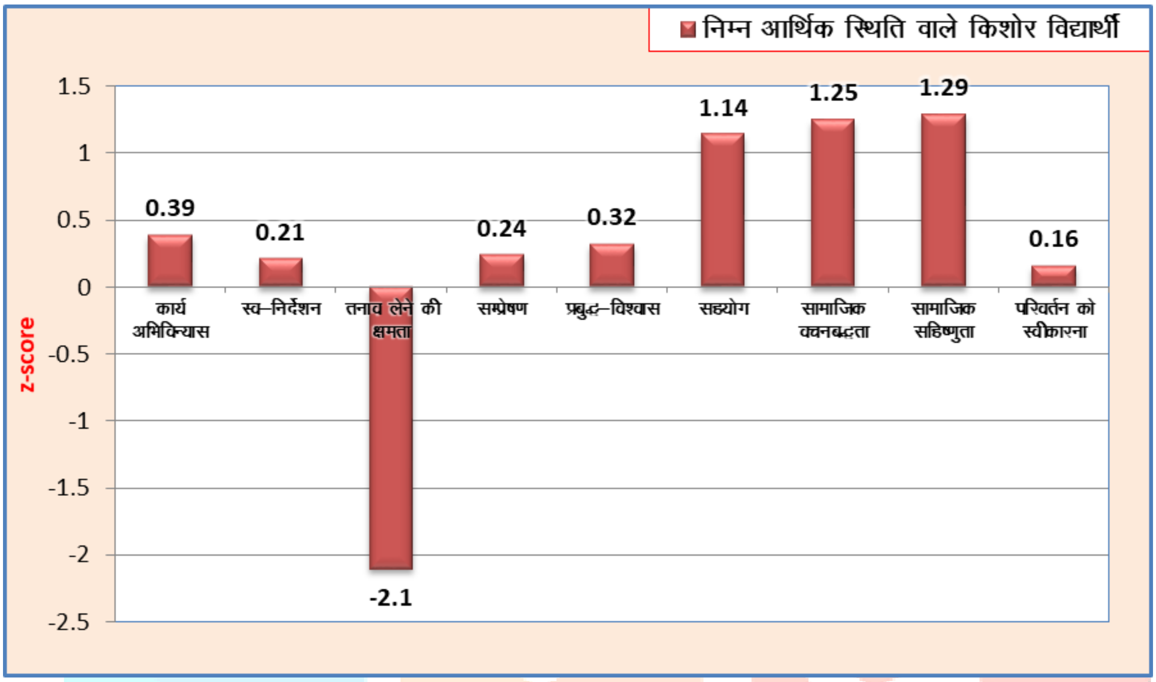

विश्लेषण एवं व्याख्या :- निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न क्षेत्रों का विश्लेषण उनके व्यक्त किए गए मतों के आधार पर जेड प्राप्तांकों के माध्यम से किया गया। कार्य अभिविन्यास (0.39), स्व-निर्देशन (0.21), सम्प्रेषण (0.24), प्रबुद्ध-विश्वास (0.32), और परिवर्तन को स्वीकारना (0.16) जैसे क्षेत्रों में उनके प्राप्तांक औसत स्तर के अन्तर्गत पाए गए। तनाव लेने की क्षमता के क्षेत्र में उनका जेड प्राप्तांक -2.10 प्राप्त हुआ, जो कि निम्नतम स्तर का संकेत देता है। सहयोग (1.14) और सामाजिक वचनबद्धता (1.25) में उनका प्रदर्शन औसत से अधिक स्तर का रहा, जबकि सामाजिक सहिष्णुता क्षेत्र में उनका जेड प्राप्तांक 1.29 प्राप्त हुआ, जो कि उच्च स्तर का द्योतक है। यह विश्लेषण निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न पहलुओं में विविधता को दर्शाता है।

सारणी संख्या 4

उच्च एवं निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता का टी-मान के आधार पर तुलनात्मक विश्लेषण

क्र. सं.	क्षेत्र	किशोर विद्यार्थियों के चयनित समूह	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी-मान	सार्थकता स्तर
1.	कार्य अभिविन्यास	उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	31.34	3.21	1.36	असार्थक
		निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	30.99	3.11		
2.	स्व-निर्देशन	उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	26.15	2.62	1.70	असार्थक
		निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	25.79	2.58		
3.	तनाव लेने की क्षमता	उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	16.89	1.77	16.77	0.01
		निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	14.65	1.49		
4.	सम्प्रेषण	उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	17.49	1.78	15.60	0.01
		निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	15.34	1.59		
5.	प्रबुद्ध-विश्वास	उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	31.72	3.14	5.93	0.01
		निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	33.29	3.34		
6.	सहयोग	उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	22.28	2.29	0.60	असार्थक
		निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	22.17	2.22		
7.	सामाजिक वचनबद्धता	उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	30.77	3.18	1.10	असार्थक
		निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	30.49	3.05		
8.	सामाजिक सहिष्णुता	उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	25.15	2.63	14.94	0.01
		निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	28.54	2.92		
9.	**परिवर्तन को स्वीकारना**	उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	24.19	2.61	0.34	असार्थक
		निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थी	24.12	2.42		

स्वतंत्रता के अंश (df) = 598 पर

0.05 स्तर पर सारणी मान = 1.96

0.01 स्तर पर सारणी मान = 2.58

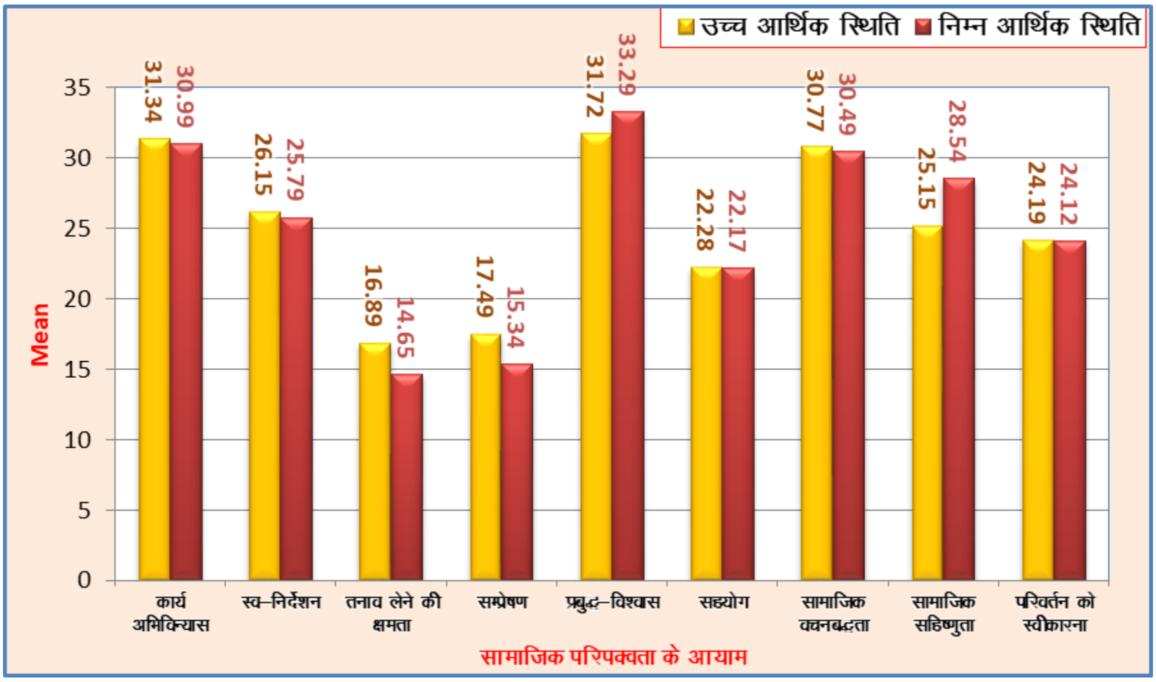

व्याख्या एवं विश्लेषण :- उच्च एवं निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता के विभिन्न आयामों का तुलनात्मक विश्लेषण दर्शाता है कि कार्य अभिविन्यास (टी-मान 1.36), स्व-निर्देशन (टी-मान 1.70), सहयोग (टी-मान 0.60), सामाजिक वचनबद्धता (टी-मान 1.10), और परिवर्तन को स्वीकारना (टी-मान 0.34) पर दोनों समूहों में कोई सार्थक अंतर नहीं है। तनाव लेने की क्षमता (टी-मान 16.77), सम्प्रेषण (टी-मान 15.60), प्रबुद्ध-विश्वास (टी-मान 5.93), और सामाजिक सहिष्णुता (टी-मान 14.94) जैसे आयामों में उच्च और निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोरों के बीच 0.01 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया। इन परिणामों से स्पष्ट होता है कि कुछ आयामों में आर्थिक स्थिति का प्रभाव देखा गया, जबकि अन्य आयामों में दोनों समूहों का प्रदर्शन समान रहा।

निष्कर्ष :-

अध्ययन में 300 किशोर विद्यार्थियों को उच्च आर्थिक स्थिति की श्रेणी में रखा गया, जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय ₹50,000 से अधिक पाई गई। इसी प्रकार, 300 किशोर विद्यार्थियों को निम्न आर्थिक स्थिति की श्रेणी में रखा गया, जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय ₹20,000 से कम थी। इसके अतिरिक्त, 100 किशोर विद्यार्थी ऐसे पाए गए जिनके अभिभावकों की वार्षिक आय ₹25,000 से ₹30,000 के बीच थी, और इन्हें सामान्य आर्थिक स्थिति की श्रेणी में रखा गया।

उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्वता का स्तर कार्य अभिविन्यास, स्व-निर्देशन, तनाव लेने की क्षमता, प्रबुद्ध-विश्वास, सामाजिक वचनबद्धता, और परिवर्तन को स्वीकारना जैसे आयामों में औसत पाया गया। सम्प्रेषण और सहयोग आयामों में इनका स्तर औसत से अधिक रहा, जबकि सामाजिक सहिष्णुता आयाम में इनका सामाजिक परिपक्वता स्तर निम्नतम दर्ज किया गया।

निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्कता का स्तर कार्य अभिविन्यास, स्व-निर्देशन, सम्प्रेषण, प्रबुद्ध-विश्वास, और परिवर्तन को स्वीकारना जैसे आयामों में औसत पाया गया, जबकि तनाव लेने की क्षमता आयाम में स्तर निम्नतम दर्ज किया गया। सहयोग और सामाजिक वचनबद्धता आयामों में इनका सामाजिक परिपक्कता स्तर औसत से अधिक रहा, वहीं सामाजिक सहिष्णुता आयाम में इनका स्तर उच्च पाया गया।

उच्च और निम्न आर्थिक स्थिति वाले किशोर विद्यार्थियों की सामाजिक परिपक्कता कार्य अभिविन्यास, स्व-निर्देशन, सहयोग, सामाजिक वचनबद्धता और परिवर्तन को स्वीकारने जैसे आयामों में समान पाई गई। दोनों वर्ग के किशोर सामाजिक कार्यों में समान सक्रियता दिखाते हैं, समाज के नेतृत्व में कार्य करते हैं, दूसरों को समान रूप से सहयोग प्रदान करते हैं, समाज के निर्णयों का पूर्ण रूप से पालन करते हैं और समय-समय पर होने वाले परिवर्तनों को स्वीकारते हैं। तनाव लेने की क्षमता, सम्प्रेषण, प्रबुद्ध विश्वास और सामाजिक सहिष्णुता जैसे आयामों में असमानता देखी गई। उच्च आर्थिक स्थिति वाले विद्यार्थी आलोचनाओं से अधिक प्रभावित होते हैं, जबकि निम्न आर्थिक स्थिति वाले विद्यार्थी सामाजिक कार्यों में अनजान व्यक्तियों से बात करने में कम संकोच करते हैं। सम्प्रेषण के मामले में उच्च आर्थिक स्थिति वाले किशोर अधिक परिपक्क होते हैं, लेकिन प्रबुद्ध विश्वास में अपरिचितों पर कम भरोसा करते हैं। सामाजिक सहिष्णुता में निम्न आर्थिक स्थिति वाले विद्यार्थी उच्च आर्थिक स्थिति वालों की तुलना में अधिक सहिष्णु होते हैं।

प्रासंगिकता :-

उपरोक्त निष्कर्षों के आधार यह कहा जा सकता है कि उक्त शोध किशोरों की आर्थिक स्थिति के आधार पर उनकी सामाजिक परिपक्कता के विभिन्न आयामों की समानताओं और असमानताओं का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करता है। यह शोध शिक्षा और समाजशास्त्र के क्षेत्र में कार्यरत शोधकर्ताओं, शिक्षकों, और नीति निर्माताओं के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे यह समझने में सहायता मिलती है कि आर्थिक स्थिति किशोरों की सामाजिक सोच, व्यवहार और अनुकूलन क्षमता को कैसे प्रभावित करती है। इसके निष्कर्ष विभिन्न आयामों में सामाजिक परिपक्कता के स्तरों को बेहतर बनाने के लिए लक्षित हस्तक्षेप और नीतियाँ विकसित करने में सहायक हो सकते हैं, जिससे विभिन्न आर्थिक वर्गों के किशोर विद्यार्थियों के सामाजिक अनुभवों और विकास को समृद्ध किया जा सके।

सन्दर्भ :-

1. Borg, W.R. (1963) : *'Educational Research on Introduction',* Longmans Green and Co. New York.
2. ब्राउन, आर.एच. (2006). *'किशोरावस्था : आर्थिक संदर्भों में सामाजिक और संज्ञानात्मक विकास',* साज प्रेस, दिल्ली।
3. भार्गव, डॉ. महेश (2003), *'आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन'* वेदान्त पब्लिकेशन लखनऊ।
4. Goldberg, David (2003*). 'Social Maturity in Adolescents'.* ACT Publishers, New York
5. हेनरी, एस. सुनी (2011). *'आर्थिक स्थिति और किशोरावस्था: मनोवैज्ञानिक परिणामों पर एक अध्ययन',* वेस्टलान प्रेस, मुंबई।
6. Horrocks, John E. (1976) : *'The Psychology of Adolescence',* Houghton Mifflin Company, Atlanta Dallas Gemen, Illinois, Hopewell, New Jersey, Palo Alto, London.
7. Lovell, C.W. and James, G. (1997). *'Social and Emotional Development during Adolescence',* Routledge Press, London
8. सरीन, डॉ. श्रीमती शशिकला एवं सरीन, डॉ. श्रीमती अंजली *'शैक्षिक अनुसंधान की विधियाँ',* विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
9. Severe, Linda and Chandler, Barbara (2010). *'Adolescent Psychology: An Interpersonal Perspective',* Pearson Education, New Jersey, USA